This Question Paper contains 2 printed pages.]
यह प्रश्न पत्र 2 मुद्रित पृष्ठों का है।

Your Roll Number.....
आपका अनुक्रमांक:: .....

Sr. No. of Question Paper : 15196

L

Name of the Course	:	ITEP Semester-IV
Unique Paper Code	:	2052102402
Name of the Paper	:	Aadhunik Hindi Kavita Chhayawad Tak
Semester	:	IV, 2025-2026

Duration: 3 Hours Maximum Marks: 90

महत्वपूर्ण निर्देश:

- इस प्रश्न पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (10x3=30)

(क) केवल मनोरंजन न कवि का कर्म होना चाहिए,
उसमें उचित उपदेश का भी मर्म होना चाहिए ।
क्यों न ' रामचरितमानस ' सब कहीं समान्य है?
सत्काव्य -युत उसमें परम आदर्श का प्राधान्य है ।।

अथवा

भीतर भीतर सब रस चूसै
हँसि हँसि कै तन मन धन मूसै
जाहिर बातन मैं अति तेज़
क्यों सखि सज्जन नहिं "अंगरेज ।।

(ख) अब तो विषय की ओर से मन की सुरति को फेर दो,
जिस ओर गति हो समय की, उस ओर मति को फेर दो।
गाया बहुत-कुछ राग तुमने योग और वियोग का,
संचार कर दो अब यहाँ उत्साह का, उद्योग का।

अथवा

वसुधा पर ओस बने बिखरे
हिमकण आँसू जो क्षोभ भरे,
उषा बटोरती अरुण गात—
अब जागो, जीवन के प्रभात!

P.T.O.

(ग) वीरों का कैसा हो वसंत?
आ रही हिमाचल से पुकार,
है उदधि गरजता बार-बार,
प्राची, पश्चिम, भू, नभ अपार—
सब पूछ रहे हैं दिग-दिगंत,
वीरों का कैसा हो वसंत?

अथवा

दिए हैं मैंने जगत को फूल-फल,
किया है अपनी प्रतिभा से चकित-चल;
पर अनश्वर था सकल पल्लवित पल—
ठाठ जीवन का वही, जो ढह गया है।

2. भारतेन्दु हरिश्चंद्र के द्वारा रचित ''नए ज़माने की मुकरी' का प्रतिपाद्य लिख़ें । (15)

अथवा

'भारत-भारती' (भविष्यत् खंड) में निहित शिक्षा पर प्रकाश डालिए।

3. 'पथिक' कविता के आधार पर रामनरेश त्रिपाठी की जीवन-दृष्टि का परिचय दीजिए। (15)

अथवा

'जयशंकर प्रसाद द्वारा लिखित 'अब जागो जीवन के प्रभात ' कविता का प्रतिपाद्य लिखिए।

4. 'भिक्षुक ' कविता के आधार पर निराला के काव्य का मुख्य स्वर स्पष्ट कीजिए। (15)

अथवा

'' कविता का सामाजिक यथार्थ अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

5. महादेवी वर्मा के काव्य-वैशिष्ट्य पर विचार कीजिए। (15)

अथवा

'ठुकरा दो या प्यार करो' कविता का काव्य-सौंदर्य लिखिए।